मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 16 दिसम्बर 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	16-12-14	17-12-14	18-12-14	19-12-14	20-12-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	22	23	23	24	24
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	8	7	8	9	8
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	1	5	4	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	88	82	78	74	68
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	38	36	34	32	30
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	8	8	8	6	5
हवा की दिशा	पूर्व	पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	पूर्व	पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

गेंहू की फसल में दूसरी सिंचाई फसल बोने के 40 से 45 दिन बाद व तीसरी सिंचाई 65 से 70 दिन बाद करें।

सरसों में मोयला कीट की रोकथाम के लिए मिथाईल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या कार्बेरिल 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर भुरकाव करें।

जीरे की फसल में मोयला कीट का प्रकोप दिखाई देने पर डाइमिथोएट 30 ई.सी. या मेलाथियान 50 ई.सी. 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

मेथी की फसल में छाछया रोग का प्रकोप दिखाई देने पर प्रति हैक्टेयर 25 किलो ग्राम गंधक के चूर्ण का भुरकाव करें।

टमाटर एवं बैंगन में फल छेदक कीट के नियंत्रण हेतु मैलाथियॉन 50 ई.सी. एक मिली लीटर प्रति लीटर पानी के घोल का छिडकाव करें।

तापमान में गिरावट होने के कारण पशुपालक पशुओं के नवजात शिशुओं को ठण्ड से बचाने के समुचित प्रवन्ध करें व बिछावन का सुखा रखें।